ओरिएंटेशन प्रोग्राम : आईआईएम रायपुर के पीजी और फेलो प्रोग्राम की शुरुआत

संघर्ष और स्पर्धा जिंदगीभर साथ रहेंगे, इसे स्वीकार कर आगे बढ़ें

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ◆ अगले पांच सालों में अपने गोल्स डिसाइड करने के लिए इंडस्ट्रीज के बड़े ओहदेदारों से मिलें। उनके तजुर्बे से आप काफी कुछ सीख पाएंगे। लाइफ की हर फील्ड में स्ट्रगल और कॉम्पीटिशन बना रहेगा। इसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ें। जुनून के पीछे भागें और टाइम मैनेजमेंट के साथ तगड़ा नेटवर्क तैयार कर एंटरप्रेन्योरशिप पर सोचें। यह कहा रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड के सीईओ आशीष वोहरा ने। वे आईआईएम रायपुर पीजी प्रोग्राम के 12वें बैच और मैनेजमेंट में फेलो प्रोग्राम के 10वें बैच के वर्चुअल ओरिएंटेशन प्रोग्राम में बतौर चीफ गेस्ट बोल रहे थे।

सक्सेस के लिए चाहिए डेडिकेशन

वोहरा ने आगे कहा, हमेशा कामयाबी हासिल करने के लिए डेडिकेशन बहुत जरूरी है। जब तक यह गुण नहीं होगा आप बेहतर नहीं कर पाएंगे। आपकी सफलता सिर्फ आईआईएम कैम्पस, करियर और जिंदगी के लिए नहीं है बल्कि इन सबसे परे भी है। यहाँ के छात्रों से कॉरपोरेट, सोसायटी और फैमिली को बहुत उम्मीदें हैं। खुद को जानें और मंथन करें। फिर मंजिल की ओर बढ़ें।

पैशन को फॉलो करें, बैलेंस बनाए रखें

आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रो. भरत भास्कर ने नए बैच के छात्रों से कहा कि अपने पैशन को फॉलो करें। अपनी सोच के मुताबिक आगे बढ़ें। दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है। खुद को ऊंचाई तक लेकर जाने के लिए संतुलन बनाकर चलना होगा। प्रो. भास्कर ने ₹ इटेरिया, ऑपर्चुनिटी और तेजी से हो रहे बदलाव के मुताबिक खुद को ढालने को चुनौती बताया। अगर आप इन चैलेंज को समझ सकें तो सामना करने की क्षमता भी आ जाएगी। इस बैच में 266 स्टूडेंट्स हैं। जिसमें 45 फीसदी गर्ल्स हैं।

Patrika, 13th July 2021, p. 03